डीपीएस दुर्ग में ''अनुगूंज'' 2025 का भव्य आयोजन
'युग यात्रा' ने मोहा दर्शकों का मन

दिनांक - 10.12.2025

दुर्ग, 2025। दिल्ली पब्लिक स्कूल, दुर्ग में वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव ''अनुगूंज'' 2025 गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री माननीय श्री अरुण साव रहे। उनके साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री रिकेश सेन (विधायक, दुर्ग शहर), श्री हिमांशु द्विवेदी (प्रो वाइस चेयरमैन, डीपीएस दुर्ग), श्री सात्विक सिंधु, श्री एच.एस. बत्रा (प्रबंधक, डीपीएस दुर्ग) तथा श्रीमती परवीन रशीद (पूर्व प्राचार्य, डीपीएस दुर्ग) विशेष रूप से उपस्थित थे। सभी अतिथियों ने विद्यालय की शैक्षणिक व सांस्कृतिक उपलब्धियों की प्रशंसा की।

उत्सव का प्रमुख आकर्षण रहा 'युग यात्रा', जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों ने मोहनजोदड़ो सभ्यता से लेकर समकालीन नृत्य तक की विभिन्न नृत्य शैलियों को अत्यंत प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत किया। ऐतिहासिक कालखंडों की झलक और आधुनिक कलात्मक अभिव्यक्तियों का यह अनूठा संगम दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना।

विद्यालय की निदेशिका श्रीमती पुनीता नेहरू ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए शैक्षणिक उपलब्धियों, प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता, खेल-कूद और सह-शैक्षणिक गतिविधियों में विद्यार्थियों के प्रदर्शन तथा वर्षभर की समग्र प्रगति का विस्तृत उल्लेख किया।

समारोह के दौरान मुख्य अतिथियों के द्वारा वर्ष भर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

उपमुख्यमंत्री माननीय श्री अरुण साव जी ने विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती पुनीता नेहरू की प्रशंसा करते हुए कहा कि एक अच्छा लीडर विद्यालय की दशा और दिशा बदलने के लिए काफी है, आशा है भविष्य में यह विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में और अधिक प्रगति करेगा। तत्पश्चात विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें निरंतर प्रगति हेतु प्रेरित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि - विद्यार्थी जीवन का प्रत्येक क्षण कीमती होता है, इसलिए इसी समय में विद्यार्थी जीवन में जीवन की दिशा तय कर लेना चाहिए कि भविष्य में हमें श्रेष्ठता की ओर अग्रसर होना ताकि वे जीवन में आगे चलकर सितारों की तरह चमकते रहें ।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में आर्केस्ट्रा समूह का संगीत, माइम 'तू खुद की तलाश में निकल' का प्रेरक संदेश तथा जॉर्ज बर्नार्ड शॉ, के प्रसिद्ध नाटक 'पिगमालियन' की प्रभावशाली प्रस्तुति विशेष रूप से सराहनीय रहीं। छात्रों की रचनात्मकता, अभिनय और मंच-कौशल पूरे कार्यक्रम में झलकता रहा।

कार्यक्रम के समापन पर (नाम/पद) ने सभी अतिथियों, अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया तथा बच्चों को नई दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।